No. of Printed Pages : **4**

MEC-006

00781

MASTER OF ARTS (ECONOMICS)

Term-End Examination

June, 2017

MEC-006 : PUBLIC ECONOMICS

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : Answer questions from each section as directed.

SECTION - I

Answer **any two** questions from this section in about **500** words each. 2x20=40

1. What is fiscal federalism and how the governments are organised in a federal country ? Why is fiscal federation considered efficient in provision of public services ?

2. Attempt to define Public Economics. Delineate the scope of Public Economics.

3. What has been the importance of direct taxes in the central government revenue in India ? Do you think reforms in direct taxes have yielded desired results ?

4. Discuss the theories of public debt with respect to implications for future generation and also bring out major distinctions between them.

SECTION - II

Answer **any five** questions from this section in about **300** words each. **5x12=60**

5. What are the basic instruments of fiscal policy ?

6. Describe Prisoner's Dilemma and explain its applicability in the real world.

7. What do you mean by market failure ? Explain how government intervention can correct market failure ?

8. Explain briefly the multiple stream approach to agenda setting.

9. Why Ramsey rule may be called inegalitarian ? How can it be mitigated in presence of leisure ?

10. What is the main objective of capital levy ? What are the grounds for objections to such a levy ?

11. What do you mean by regulation ? Suggest a few regulatory measures which government undertakes to protect consumers.

12. What is meant by majority voting ? What are the basic weaknesses of majority voting and what are the ways to improve the majority voting outcome ?

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.ई.सी.-006 : लोक अर्थशास्त्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *निर्देशानुसार प्रत्येक खण्ड से प्रश्नों को हल करें।*

खण्ड - I

इस खण्ड से **किन्हीं दो** प्रश्नों को हल करें। 2x20=40

(प्रत्येक लगभग **500** शब्दों में)

1. राजकोषीय संघवाद क्या है और एक संघीय राष्ट्र में सरकारें किस प्रकार संगठित होती हैं? लोक सेवाओं के प्रावधान में राजकोषीय संघ को क्यों कुशल माना जाता है?

2. लोक अर्थशास्त्र को परिभाषित करने का प्रयास करें। लोक अर्थशास्त्र के कार्यक्षेत्र का रेखांकन करें।

3. भारत में केंद्र सरकार की आय में प्रत्यक्ष करों का क्या महत्त्व रहा है? क्या आप समझते हैं कि प्रत्यक्ष करों में सुधार के परिणाम मिले हैं?

4. भावी पीढ़ी पर प्रभाव के सम्बन्ध में सार्वजनिक ऋण के सिद्धांतों का विवेचन करें। साथ ही उनके मध्य मुख्य विभिन्नताओं को स्पष्ट करें।

खण्ड - II

इस खण्ड से **किन्हीं पाँच** प्रश्नों को हल करें। 5x12=60
(प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में)

5. राजकोषीय नीति के आधारभूत उपकरण क्या हैं?

6. 'कैदी की दुविधा' की व्याख्या करें तथा वास्तविक जगत में इसके निहितार्थों को स्पष्ट करें।

7. बाजार की विफलता से आपका क्या तात्पर्य है? स्पष्ट करें कि किस प्रकार बाजार की विफलता को सरकारी हस्तक्षेप द्वारा सुधारा जा सकता है?

8. विषय सूची निर्धारण की "अनेक धाराएँ विधि" की संक्षेप में व्याख्या करें।

9. रामसे नियम को असमानाधिकारवादी क्यों कहा जा सकता है? अवकाश की दशा में इसे किस प्रकार समाप्त किया जा सकता है?

10. पूंजी करारोपण के मुख्य उद्देश्य क्या है? इस करारोपण पर आपत्ति के आधार क्या हैं?

11. विनियमन (regulation) से आप क्या समझते हैं? कुछ ऐसे विनियमन उपायों को बताइये जिसे सरकार उपभोक्ताओं के हितरक्षण हेतु प्रयोग करती है।

12. बहुमत प्रतिमान (majority voting) से क्या तात्पर्य है? बहुमत प्रतिमान की आधारभूत कमजोरियाँ क्या हैं और बहुमत प्रतिमान के परिणामों में सुधार लाने के क्या तरीके हैं?